

प्रेषक,

के0सी0 मिश्र,
अपर सचिव, वित्त
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

प्रमुख सचिव/सचिव
उत्तरांचल शासन।

वित्त (लेखा) अनुभाग

देहरादून: दिनांक 03 फरवरी, 2001

विषय: 9 नवम्बर, 2000 के बाद जमा धनराशि पर जमा साख सीमा (डी0सी0एल0) तथा नकद साख सीमा (सी0सी0एल0) व्यवस्था के सम्बन्ध में।

महोदय,

शासनादेश संख्या- 0002/कैम्प/सा0वि0/बजट/2000-2001 दिनांक 10 नवम्बर, 2000 के प्रस्तर-4 में वित्तीय नियम संग्रह 6 एवं 7 के प्राविधानों को स्थगित करते हुये मुख्य लेखा शीर्षक 8782- नकद सम्प्रेषण के अधीन होने वाले व्यवहरण को आवंटित बजट की सीमा में बिल प्रस्तुत कर कोषागारों के माध्यम से आहरण करने के निर्देश दिये गये थे।

उपर्युक्त शासनादेश के प्रस्तर-4 को संशोधित करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 9 नवम्बर, 2000 या उसके बाद बाह्य एजेन्सी या अन्य विभागों के डी0सी0एल0 की जमा धनराशि पूर्व की भांति कार्यदायी संस्था द्वारा (लोक निर्माण, सिंचाई, ग्रामीण अभियन्त्रण, वन आदि) पूर्व की भांति कोषागार से चेक प्राप्त कर औपचारिक आवंटन के बाद आवंटित धनराशि की सीमा तक भुगतान करेंगे तथा विस्तृत एवं संकलित लेखा महालेखाकार को उपलब्ध करायेंगे। जिन विभागों में अधिष्ठान से भिन्न बृहद निर्माण, लघु निर्माण, अनुरक्षण जैसे मानक मद हेतु राज्य के समेकित निधि तथा सुसंगत लेखा शीर्षक के अधीन साख सीमा निर्गत करने की प्रक्रिया थी वह तत्काल प्रभाव से पूर्व घोषित प्रक्रिया के अधीन साख सीमा निर्गत होने पर निम्नलिखित शर्तों के अधीन पूर्व से महालेखाकार द्वारा आधिकृत एवं वित्तीय सांख्यिकी निदेशालय पूर्व से आवंटित कोड सम्बन्धित प्रखण्ड/प्रभाग भुगतान सम्बन्धी कार्यवाही कर सीधे महालेखाकार को बजट साहित्य में दर्शाये गये लेखा शीर्षक के स्तरों के अनुरूप विस्तृत लेखा भेजेंगे:

- (1) साख सीमा आवंटन के साथ प्रत्येक प्रखण्ड/प्रभाग को मात्र धनराशि सूचित करने के बजाय बजट साहित्य में उल्लिखित अनुदान संख्या, आयोजनेत्तर/आयोजनागत मुख्य लेखा शीर्षक से मानक मद स्तर तब के विवरण के बाद धनराशि दर्शायी जाय। यदि अनेक योजना/उप-योजना की धनराशि की साख सीमा एक साथ एक प्रखण्ड/प्रभाग को जारी करना हो तब लेखा शीर्षक के स्तरों को अलग-अलग दर्शाने एवं उसमें निहित धनराशि अलग-अलग लिखने के बाद सम्पूर्ण

धनराशियों का योग लिखकर उक्त सीमा तक साख सीमा सम्बन्धित कोषागार को सूचित की जाय। इस प्रकार के आवंटन प्राप्त पर कोषाधिकारी का दायित्व होगा कि वह नियंत्रिका द्वारा पारित बजट जो कम्प्यूटर पर उपलब्ध होता है अतः उक्त डिवीजन की साख सीमा बैंक को सूचित करने के पूर्व कम्प्यूटर से लेखा शीर्षक का मिलान करेगा। यदि लेखा शीर्षक सही न पाये जाय तब साख सीमा निर्गत करने वाले अधिकारी को लेखा शीर्षक की कभी का विवरण देते हुये आवंटन आदेश जारी करने वाले प्राधिकारी को वापस कर देंगे।

- (2) साख सीमा की धनराशि से चेक निर्गत करने के पूर्व निर्धारित प्रपत्रों पर औपचारिकता पूरा किया जाय, विविध कटौतियों सुनिश्चित की जाय, अभिलेख तैयार करने के साथ यह अनिवार्यता होगी कि साख सीमा में से बिल की सकल धनराशि (प्रास एकाउन्ट) घटाया जाय न कि शुद्ध धनराशि (नेट एकाउन्ट) घटाया जाय। शुद्ध धनराशि के निर्गत करने के पूर्व यदि इस प्रकार की औपचारिकता नहीं पूरी की जाती है तब सम्बन्धित अधिकारी के साथ-साथ खण्डीय लेखाकार या विभागीय सम्बन्धित कर्मचारी वित्तीय अनियमितता आदेशों के उल्लंघन तथा सरकारी धन के दुर्विनियोग के आरोप में विधि अनुस्यू दण्डित किये जायेंगे।
- (3) अधिष्ठान सम्बन्धी कार्य पूर्व की भांति कोषागार में बिल प्रस्तुत करके आहरण वितरण सम्पादन किया जाय तथा अधिष्ठान सम्बन्धी व्यय (यथा कार्यालय व्यय, पेट्रोल/गाडी का रख रखाव आदि) के कार्य हेतु स्वीकृत साख से न किया जाय अन्यथा यह वित्तीय अनियमितता एवं वित्तीय दुर्विनियोग का प्रकरण होगा।

पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप साख सीमा के उपभोग की अवधि निर्दिष्ट त्रैमास होगा। त्रैमास प्रारम्भ होने के एक माह पूर्व बजट नियन्त्रक अधिकारी/विभागाध्यक्ष द्वारा खण्डवार, योजनावार आवंटन का विवरण वित्त विभाग को साख सीमा निर्गत करने हेतु भेजा जाय क्योंकि वर्तमान में विभागों का संगठनात्मक स्वरूप स्पष्ट न होने के कारण वित्त नियन्त्रक की नियुक्ति नहीं की जा सकी है।

- (4) साख सीमा हेतु बैंक बुक शासकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित की जायेगी तथा उसे कोषागार के माध्यम से निर्गत किया जायेगा। कोषागार के माध्यम से निर्गत किया जायेगा। कोषागार स्तर पर बैंक के रख-रखाव, साख सीमा सम्बन्धी पंजियों का रख-रखाव तथा प्रत्येक माह प्रत्येक प्रखण्ड/प्रभाग द्वारा निर्गत बैंक (पैड/) का कोषागार से निर्धारित तिथि पर मिलान करना अनिवार्य होगा। जब तक बैंक बुक नहीं छप जाती पूर्व के बैंक बुकों में उत्तर प्रदेश काटकर उत्तरांचल की मुहर लगायी जाये तथा कोषागार द्वारा स्टेट बैंक की सम्बन्धित शाखा की बैंक बुक सम्बन्ध तथा उसके अधीन चेक संख्या सिरीज सूचित की जाय।
- (5) आवंटित बजट/साख सीमा के सापेक्ष वास्तविक व्यय विवरण से सम्बन्धित सभी अभिलेख (संकलित लेखा) यह महालेखाकार कार्यालय प्रेषित करना तथा प्रतिमाह महालेखाकार में पुस्तान्कित आंकड़ों से शत प्रतिशत मिलान करना अनिवार्य होगा। महालेखाकार से यह सूचना

प्राप्त होने पर तथा इस आशय की पुष्टि होने पर कि समय से लेखा नहीं भेजा गया था उसका मिलान नहीं किया गया ऐसे अधिकारियों के वित्तीय अधिकार समाप्त करने तथा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती हैं।

- (6) प्रत्येक प्रखण्ड/प्रभाग द्वारा प्रत्येक माह की 5 तारीख तक ठीक पूर्व के माह के कुल आवंटित बजट के सापेक्ष कुल व्यय बजट मैनुअल के प्रपत्र-8 (बी0एम0-8) पर बजट नियंत्रक अधिकारी/विभागाध्यक्ष को भेजेगें तथा एक प्रति सम्बन्धित कोषाधिकारी को भी उपलब्ध करायेंगे। सम्बन्धित विभागाध्यक्ष प्रत्येक माह की 20 तारीख तक संकलित सूचना बी0एम0-12 पर महालेखाकार को तथा बी0एम0-13 प्रशासनिक के अनुरूप यदि यह सूचना समय से नहीं भेजी जाती तब सम्बन्धित अधिकारी के वेतन पर रोक लगा दिया जाये यदि दूसरे माह में इसकी पुनरावृत्ति हो तब ऐसे अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये।
- (7) कोषागार अधिकारी साख सीमा की धनराशि के साथ-साथ प्रत्येक माह प्राप्त बी0एम0-8 से कुल आवंटित बजट के सापेक्ष वास्तविक व्यय का मिलान करेंगे तथा प्रतिमाह अन्य इनपुट के साथ-साथ इस प्रकार का विवरण निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवाएँ को उपलब्ध करायेंगे। निदेशालय स्तर पर सम्प्रेषण विभागों का भी बजट का संकलन कोषागारों से प्राप्त विस्तृत लेखे की भांति तैयार किया जाये।

साख सीमा की धनराशि को अन्यत्र (अन्य जनपद में या अन्य प्रखण्ड) आवंटन तब तक न किया जाये जब तक कोषागार द्वारा इस आशय का प्रमाण पत्र जारी न कर दिया जाये कि उक्त सीमा तक साख सीमा तथा सम्बन्धित योजना के सुसंगत लेखा शीर्षक के निश्चित स्तर पर धनराशि कम कर दी गयी हैं। इस प्रमाण-पत्र का उल्लेख करने हुए ही अन्य कोषागार तथा सम्बन्धित प्रखण्ड/प्रभाग को पुनीवंट आदेश जारी करने के पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जाये। जिससे बजट साहित्य के प्राविधारित धनराशि की सीमा में बजट आवंटन/साख सीमा तथा कार्यक्षेत्र की स्थिति स्पष्ट रहे।

महालेखाकार उत्तरांचल को सम्बन्धित प्रखण्ड/प्रभाग आवंटित बजट की प्रति उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्रतिमाह उपलब्ध बजट के सापेक्ष योजना के अधीन मानक मद स्तर तक वास्तविक व्यय की सूचना भेजकर लेखे मिलान का प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाये।

कोषागारों में बजट आवंटन के साथ प्राप्त साख सीमा प्राप्त होने की विधि सम्मिलित करते हुए तीन कार्य दिवसों के अधीन परीक्षण तथा औपचारिकता सुनिश्चित करते हुए बैंक को साख सीमा सूचित करना आवश्यक होगा। यदि कोषागार से अनावश्यक विलम्ब होता है तब ऐसे अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती हैं।

विभागीय पर्यवेक्षण अधिकारी अपने निरीक्षण के समय आवंटित बजट के सापेक्ष व्यय हेतु बजट मैनुअल के अध्याय-15 के बिन्दुओं तथा अध्याय-19 में निहित सिद्धान्तों का अनिवार्य रूप से निरीक्षण आख्या में उल्लेख करें तथा उसकी प्रति वित्त विभाग एवं महालेखाकार को भी भेजी जाये।

उपरोक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे तथा 8 नवम्बर, 2000 के बाद जमा डी०सी०एल० की सीमा में सक्षम प्राधिकारी द्वारा आवश्यक भुगतान आधिकृत किया जाये।

भवदीय,
के०सी० मिश्र,
अपर सचिव,

संख्या -005/अ०स०वि०/कैम्प/2001

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण/सिंचाई/ग्रामीण अभियन्ता, उत्तरांचल।
- 2- समस्त विभागाध्यक्ष एवं प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष, उत्तरांचल।
- 3- समस्त कोषागार अधिकारी, उत्तरांचल।
- 4- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तरांचल, 5-ए थाना हिल रोड, सत्य निष्ठा भवन इलाहाबाद।

आज्ञा से
के० सी० मिश्र,
अपर सचिव।